॥ श्री ॥

भद्रबाहुचरित

BHADRABAAHUCHARITA

रत्ननन्दि · १५वीं शती · अभिलेख ८१/९०

श्री शुभनन्दि के सधर्मी → **रत्ननन्दि** → श्री माणिक्यनन्दि-1

संक्षिप्त परिचय

कवि रत्ननन्दि कृत — अन्तिम श्रुतकेवली भद्रबाहु स्वामी का चरित; सम्राट चन्द्रगुप्त के दीक्षा-प्रसंग और दक्षिण-प्रवास की ऐतिहासिक कथा।

— सम्पादकीय परिचय; नीचे की तालिका-सामग्री मूल स्रोतों से अक्षरशः है। · Editorial summary; all list data is verbatim from the sources.

अभिलेख-विवरण

भद्रबाहुचरित — दिगम्बर जैन सम्प्रदाय के ९० प्रमुख प्राचीन ग्रन्थों की कालानुक्रमिक सूची में क्रमांक ८१ पर अंकित ग्रन्थ है। रचयिता रत्ननन्दि; रचना-काल १५वीं शती (लगभग)। आचार्य-समयानुक्रमणिका (क्रमांक ४०) के अनुसार इनका समय मध्यपाद है तथा गुरु श्री शुभनन्दि के सधर्मी।

सम्पूर्ण ग्रन्थ पढ़ें

जैन ग्रन्थ लाइब्रेरी ↗ | जैनकोश ↗ | Archive.org ↗

बाह्य ग्रन्थालयों में खोज — नई टैब में खुलेगी

प्रमाण: ९०-ग्रन्थ सूची-पोस्टर, पंक्ति ८१ — मूल छायाचित्र

← भुजबलिचरित

श्रुतावतार →